साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 88 | जौनपुर, सोमवार, 18 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

प्रधान न्यायाधीश ने कानूनी पेशे से 'युवा प्रतिभाओं के पलायन' पर चिंता व्यक्त की

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कानूनी पेशे से युवा प्रतिभाओं के पलायन पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि उनकी वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि युवा वकीलों के लिए उनके करियर के शुरुआती कुछ वर्षों में न्यूनतम पारिश्रमिक मानक बनाने की आवश्य कता है। युवा प्रतिभाओं का कानूनी पेशे से पलायन केवल व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है, बल्कि यह संर चनात्मक मुद्दों का लक्षण है, जैसे कि इस पेशे में, विशेष रूप से पहली पीढ़ी के वकीलों के लिए, वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा का अभाव है। जनता की सेवा के लिए समर्पित युवा वकीलों के समुदाय को आकर्षित करने के वास्ते हमें इस पेशे को अधिक अनुकूल स्थान बनाने, प्रवेश स्तर की बाधाओं को दूर करने और समर्थन को बढ़ावा देने की दिशा में काम करना चाहिए। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में युवा वकीलों को मानदेय देने की भारतीय विधिज्ञ परिषद की हाल की सिफारिश की सराहना की।

मणिपुर के हालात पर गृह मंत्रालय की नजर, अमित शाह ने की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली, एजेसी। मणिपुर में अस्थिर हालात पर केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार नजर बनाए हुए है। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को मणिपुर में शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। गृह मंत्री कल भी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

चुनावी रैलियां रद्द करके महाराष्ट्र से दिल्ली पहुंचे गृह मंत्री

इससे पहले मणिपुर में अस्थिर हालात के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां रद्द कर दी थीं। वे नागपुर से दिल्ली लौटे। जानकारी के मुताबिक वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर विदर्भ क्षेत्र में चार रैलियां करने वाले थे। उनकी जगह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी ने इन रैलियों में हिस्सा लिया। उनकी रैलियां रद्द करने के पीछे कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि यह मणिपुर में अस्थिर हालात की वजह से हो सकता है।

यह है मामला

दरअसल, मणिपुर के जिरीबाम से सोमवार से लापता छह लोगों में से एक महिला और दो बच्चों के शव नदी में तैरते पाए गए थे। रविवार सुबह यह दावा किया जा रहा है कि यहां एक और महिला का शव मिला है। दावा है कि असम के कछार जिले में बराक नदी से पुलिस ने शव बरामद किया है, जो जिरीबाम की सीमा पर है। यह शव उस जगह से नीचे की ओर है, जहां तीन अन्य शव बरामद किए गए थे।

भाजपा शासन में चुनाव में ``धांधली'' हो रही – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को होने वाले मतदान की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन में चुनाव में ''इतनी धांधली'' हो रही है और जनता का विश्वास जीतने के लिए 'दल–बल' की परेड कराई जा रही है। सपा प्रमुख यादव ने पुलिसकर्मियों का छह सेकंड का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, ''ये जो युद्ध स्तरीय तैयारी है उसे चीन की सीमा समझने की भूल न करें, ये तो उत्तर प्रदेश का कुंदरकी है जहां विधानसभा का उपचुनाव है। भाजपा राज में चुनाव को लेकर इतनी धांधली हो रही है कि उत्तर प्रदेश की जनता का कानून–व्यवस्था से विश्वास ही उठ गया है। इसीलिए जनता का विश्वास जीतने के लिए 'दल–बल' की ये परेड कराई जा रही है। सपा प्रमुख ने कहा, ''वैसे मीडिया का मानना है कि ये मन से डर निकालने की नहीं, मन में डर डालने की प्रक्रिया ज्यादा लग रही है, जिससे सत्ताधारी 'दल' को चुनाव में 'बल' मिले और जनता कम से कम संख्या में वोट डालने के लिए बाहर निकले, जिससे चुनावी घोटाला करने में आसानी हो और घोटाले के गवाह कम हो सकें।'' उन्होंने दावा किया, ''लेकिन इन सबके बाद भी जनता ने ठान लिया है कि वो बाहर आएगी और भाजपा को हराने–हटाने को लिए वोट करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग से आग्रहकि वह वोटिंग कम करवाने की इस साजिश को नाकाम करे। इस बार जनता अपने मोबाइल कैमरों के साथ तैनात रहेगी और गड़बड़ी करने वाले किसी भी स्तर के व्यक्ति को अदालत तक ले जाकर दंड दिलवाकर ही मानेगी।

खुफिया रिपोर्ट में खुलासा, सोरेन सरकार ने बांग्लादेशियों को शरण दी – जेपी नड्डा

झारखंड, एजेसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह ओबीसी के चौंपियन बनना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि राजीव गांधी फाउंडेशन और राष्ट्रीय सलाहकार समिति में कितने ओबीसी सदस्य हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी मंत्री हैं। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ओबीसी, आदिवासियों और एससी को मुख्यधारा में ला रही है। जेपी नड्डा ने बोकारो में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे अभी एक खुफिया रिपोर्ट मिली है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को यहां मदरसों में पनाह दी जाती है। उनके आधार, मतदाता पहचान पत्र, गैस कनेक्शन और राशन कार्ड की सुविधा दी जाती है और फिर हेमंत सोरेन सरकार उनके लिए जमीन सुनिश्चित करती है। जेपी नड्डा ने आगे कहा–जल, जंगल, जमीन को लूटा, यहां घुसपैठ बड़े पैमाने पर है। घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं और उनकी जमीन हड़प रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक कानून लाएंगे कि उनकी संतानों को जमीन से वंचित किया जाए। बोकारो के गोमिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, केवल पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है।

कांग्रेस ने सत्ता के लिए देश को बांट दिया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र में चौथे दिन चुनावी प्रचार में उतरे। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं, नीतियों व सहयोगियों पर खूब हमला किया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए है। इनका इतिहास भारत के साथ धोखा देने का रहा है। कांग्रेस की कायरता, सत्तालोलुपता थी कि भारत को दो टुकड़ों में बांट दिया। लाखों हिंदू काटे गए। 1947 में कांग्रेस नेतृत्व चाहता तो भारत का विभाजन नहीं होता और न ही पाकिस्तान बनता। पाकिस्तान के लिए दंगा करने वाले मुसलमानों से वैसे ही निपटा जा सकता था, जैसे आज निपटते हैं। सीएम योगी ने महाराष्ट्र की धरती पर महापुरुषों का वंदन किया। उन्होंने बताया कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं आगरा

में निरीक्षण कर रहा था, बताया गया कि यहां मुगल म्यूजियम है, जिसमें औरंगजेब व मुगल शासन के प्रतीक रखे जाएंगे। मैंने पूछा कि मुगलों का भारत से क्या संबंध है। इसे हटाइए, म्यूजियम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर होगा और यहां भारत के गौरव को दर्शाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महायुति में जोड़ने वाली ताकते हैं तो महा अघाड़ी के नाम पर महा अनाड़ी गठबंधन बांटने का कार्य कर रहा है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए कांग्रेस ने देश, हिंदू समाज को बांटा। कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए आ गया है। कांग्रेस के लिए देशहित कभी महत्व नहीं रखता। अंग्रेजों की तरह यह भी बांटों और राज करो की नीति पर चल रहे हैं।

पहले पीओके, फिर बलूचिस्तान व पाकिस्तान के अन्य भाग भी भारत के हिस्से बनेंगे

सीएम योगी ने भोसरी में कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकी अब भारत की सीमा का अतिक्रमण नहीं कर सकता। उसे पता है कि नया भारत घुसकर मारता है। 10 वर्ष में पाकिस्तान की हालत यह हो है कि कटोरा लेकर घूम रहा है, लेकिन कोई भीख भी नहीं दे रहा। सीएम ने आह्वान किया कि भारत की ताकत को बढ़ाइए तो पहले पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत में आएगा, फिर बलूचिस्तान व पाकिस्तान के अन्य भाग भी भारत के हिस्से बनेंगे। गोहत्या बंद कराने का काम भी महायुति गठ बंधन ही कर पाएगा, कांग्रेस नेतृत्व नहीं। सीएम कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा के साथ ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी हमलावर रहे। बोले कि 1947 में खड़गे जी के गांव बारावत्ती को हैदराबाद के निजाम के रजाकारों ने जला दिया था, जिसमें उनकी मां, बहन व चाची की मृत्यु हो गई थी। जब मैं कहता हूं कि बंटोगे तो कटोगे तो खड़गे जी को बुरा लगता है। खड़गे जी बताइए कि निजाम और उसके रजाकार कौन थे, जिन्होंने निर्ममतापूर्वक हिंदुओं का कत्लेआम किया था। आप कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन नेतृत्व के भय से नहीं बोल रहे। आपको सच्चाई बोलनी चाहिए। निजाम का रजाकार कोई और नहीं, बल्कि वही कट्टरपंथी मुस्लिम हैं, जो आज भी गणपति महोत्सव, रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव व विशालगढ़ जैसे किलों पर कब्जा कर भारत को अपमानित करने का कार्य करते हैं। जब विशालगढ़ में अतिक्रमण हटाने की कोशिश की जाती है तो पत्थरबाजी शुरू हो जाती है। सनातन पर प्रहार भारत पर प्रहार है। इस पर प्रहार महाविनाश को आमंत्रित करता है।

झारखंड का विकास सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा ही कर सकती है – हेमंत

झारखंड, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज कहा कि झारखंड का विकास सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ही कर सकती है इसलिए जनता को इस चुनाव में झामुमो प्रत्याशी को भारी मतो से जिताने की आवश्यकता है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत 20 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। अलग–अलग राजनीतिक दलों के द्वारा अपने–अपने प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को बोड़ो स्थित हवाई अड्डा के पास झामुमो के द्वारा जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिरकत की और जनता से गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से झामुमो प्रत्याशी सुदिव्य कुमार सोनू को जिताने की अपील की। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने पिछले पांच में वर्षों में किए गए विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनते ही कोविड महामारी का सामना करना पड़ा। इस दौरान जनता के हित में सरकार ने हर तरह के कार्य किए और जनता का बचाया। उन्होंने कहा कि झामुमो की सरकार बनते ही केन्द्र सरकार के उदासीन रवैये के बावजूद झारखंड को विकास की ओर अग्रसर किया। महिलाओं एवं बहनों को सम्मान देते हुए मईया सम्मान योजना की शुरूआत की, जिसके माध्यम से महिलाओं एवं युवतियों के बैंक खाते में एक हजार रुपये सहयोग राशि के रूप में दी जा रही है। यदि इस बार फिर से सरकार बनी तो एक हजार रुपये को बढ़ाकर ढाई हजार रुपये किया जायेगा।

सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने और समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे-प्रियंका गांधी

मुंबई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा की नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि कुछ बड़ी परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने के कारण महाराष्ट्र में नौकरियां खत्म हो गई हैं। बीस नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने और समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। राज्य की महायुति सरकार की प्रमुख योजना 'लाडकी बहिन' को लेकर उस पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि महिलाओं को बेहतर जीवन के लिए वोट देना चाहिए, न कि इसलिए कि उन्हें प्रति माह 1,500 रुपये मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) सत्ता में आता है, तो वह सोयाबीन की फसल के लिए किसानों को 7,000 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी (न्यूनतम

समर्थन मूल्य) देगा। प्रियंका ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 2.5 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। उन्होंने कहा कि फॉक्सकॉन, एयरबस जैसी परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने के कारण राज्य में नौकरियां खत्म हो गई हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा, लोग प्रयास कर रहे हैं, नये कौशल सीख रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिल पा रही। सरकार को इस पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए था, लेकिन वह इन पदों को भरने में विफल रही है। उन्होंने महाराष्ट्र में युवाओं की आत्महत्या को रोजगार के अवसरों की कमी से जोड़ने की भी कोशिश की। प्रियंका ने दावा किया, देश में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा युवा आत्महत्या कर रहे हैं। यह बेरोजगारी को दूर करने में भाजपा की विफलता का नतीजा है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे एक हैं तो सेफ हैं पर प्रियंका ने कहा कि सेफ शब्द के दो अर्थ हैं–सुरक्षित और खजाना। उन्होंने आरोप लगाया, श्लेकिन इस देश में सही मायने में सुरक्षित सिर्फ अडाणी ही हैं। पूरा देश जानता है कि अडाणी ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी सरकारी खजाने तक पहुंच है, जबकि आम नागरिक संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि हवाईअड्डों, बंदरगाहों और कुछ प्रमुख कंपनियों पर अडाणी का नियंत्रण है और सरकारी नीतियां भी एक व्यक्ति के पक्ष में हैं।

अभी हमारे पास काम करने के लिए है बहुत समय – फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान विभिन्न मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "अभी जम्मू–कश्मीर में हमारी सरकार बने महज एक महीने ही हुआ है। अब तक जो भी काम हुआ है, वो शानदार हुआ है। हमने घोषणा पत्र में कई काम करने के वादे किए हैं। अभी हमारे पास बहुत समय है। अभी हमारे पास पांच साल का समय है। हम सभी वादों को पूरा करेंगे। हम अपने वादों को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं।" वहीं, महबूबा मुफ्ती के इस बयान पर कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को अनुच्छेद 370 को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इस पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि महबूबा मुफ्ती को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। हमें जिस रास्ते पर चलना चाहिए, हम चल रहे हैं। हम अपने मेनिफेस्टो में अपने सभी वादों को लेकर अपना मत स्पष्ट कर चुके हैं। मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा मुझे इस विषय पर कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, छोटी मीटिंग में उमर अब्दुल्ला के शामिल नहीं होने पर अपनी बात रखते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अभी एक महीना ही सरकार बने हुआ है। अभी वो दूसरी प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त हैं, थोड़ा समय दीजिए, कुछ दिनों बाद वो भी आपको इस तरह की बैठकों में शामिल होते हुए दिखेंगे। जिस तरह से मुस्लिमों का अपना धार्मिक ढांचा है, ठीक उसी तरह से हिंदुओं का भी होना चाहिए। इस पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं इस पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं समझता।

सभी सार्वजनिक संपत्ति को भाजपा के लोग बेचने में लगे हैं – तेजस्वी यादव

बोकारो, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर देश की सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने और महंगाई बेरोजगारी पर रोक नहीं लगाने का आरोप लगाया है। तेजस्वी यादव ने झारखंड में बोकारो जिले के दुग्धा स्थित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, "भारतीय जनता पार्टी ने महंगाई पर रोक नहीं लगाई और बेरोजगारों को रोजगार देने में असफल रही है। भाजपा इंडिया गठबंधन के नेताओं को अपनी पार्टी में मिलाने के लिए और राज्यों में अपनी सरकार बनाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर इंडिया गठबंधन के निर्दोष नेताओं को भी जेल में डाल रही है लेकिन इनकी गीदड़ भभकी से हम लोग डरने वाले नहीं हैं। भाजपा देश में मात्र नफरत फैलती है और हिंदू–मुसलमान के बीच में लड़ाई लगाती है। ज्यादा शासन भाजपा ने ही किया है, फिर भी यहां के लोग बदहाल हैं। तेजस्वी ने कहा कि हम लोग रोजगार, महंगाई ,बेरोजगारी ,शिक्षा ,गरीबी जैसे ज्वलंत मुद्दों पर काम करते हैं, और भाजपा के लोग नफरत फैलाकर शासन करना चाहते हैं।

वैश्विक स्तर के प्रभावों से निपटने में सक्षम है भारतीय अर्थव्यवस्था – आरबीआई गवर्नर

कोच्चि, एजेसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वैश्विक स्तर पर होने वाले किसी भी तरह के प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था काफी मजबूत है। शुभारंभ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास स्थिरता और मजबूती की तस्वीर को पेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश का बाहरी क्षेत्र भी मजबूत है और चालू खाता घाटा प्रबंधनीय सीमाओं के भीतर बना हुआ है।

पीएम पूरी दुनिया घूम रहे, मणिपुर नहीं गए - कांग्रेस प्रमुख खरगे

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर में हिंसा के मुद्दे पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ न्याय चाहता हूं, चाहे मणिपुर में कोई भी सरकार हो। प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया? मणिपुर के लोग महीनों से तकलीफों का सामना कर रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री वहां नहीं गए। वह महाराष्ट्र और झारखंड और पूरी दुनिया का दौरा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर क्यों नहीं गए?

पीएम मोदी में मणिपुर जाने का साहस नहीं

उन्होंने यह भी कहा कि (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी मणिपुर गए थे और उन्होंने वहां से मुंबई तक पदयात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी के पास मणिपुर जाने का साहस नहीं है। मैं केंद्र सरकार के इस रवैये की निंदा करता हूं। मणिपुर में ताजा हिंसा भड़कने के बीच खरगे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़

पार्टी चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उनकी 'घृणास्पद विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। खरगे ने कहा कि राज्य के लोग कभी माफ नहीं करेंगे और न ही यह भूलेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नहीं रखा। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नरेन्द्र मोदी जी आपकी डबल इंजन सरकारों के शासन में 'न तो मणिपुर एक है, न ही मणिपुर सुरक्षित है'।' उन्होंने कहा, 'मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और हिंसा से जूझ रहा है, जिसने इसके लोगों के भविष्य को नष्ट कर दिया है।' उन्होंने कहा,'हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उसकी घृणित विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। इससे पहले, मणिपुर की भाजपा सरकार को आज उस समय बड़ा झटका लगा, जब नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने सरकार से अपना समर्थन वापस लेने की घोषणा की। एनपीपी ने यह फैसला तब लिया है, जब राज्य में हाल के दिनों में हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं और अस्थिरता बनी हुई है।

संपादकीय

वायु प्रदूषण से लड़ाई

भारत के निर्माण उद्योग में तेजी के साथ, देश के शहरों में निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी। सीएंडडी अपशिष्ट प्रवाह में यह अपेक्षित वृद्धि और भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि यह वायु प्रदूषण की समस्या को और बढ़ा देगा जिससे भारतीय शहर जूझ रहे हैं। "मौजूदा चालू सीएंडडी अपशिष्ट क्षेत्र के आने वाले वर्षों में दोगुने से अधिक होने का अनुमान है। यदि पूरी तरह से पुनर्प्राप्त और पुनर्चक्रित नहीं किया गया, तो निर्माण अपशिष्ट हमारे शहरों को अवरुद्ध करने वाला एक प्रमुख प्रदूषक बन सकता है। हालांकि शहरों में सीएंडडी प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रगतिशील कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन अकुशल अपशिष्ट प्रबंधन और बाजार संबंधों के कारण इनका कम उपयोग और अव्यवहारिक होने की शिकायतों के कारण ये प्रभावित हुए हैं," सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) द्वारा आज यहां जारी किए गए एक नए अध्ययन में कहा गया है। मलबा दुविधारू आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना – जैसा कि अध्ययन का शीर्षक है – भारत भर में फैले 16 सीएंडडी अपशिष्ट पुनर्चक्रण संयंत्रों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करता है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय हितधारक सम्मेलन में रिपोर्ट जारी करते हुए, सीएसई की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉयचौधरी ने कहारू ष्केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 131 गैर–प्राप्ति शहरों (एनएसी) की सभी स्वच्छ वायु कार्य योजनाओं के लिए सीएंडडी अपशिष्ट प्रबंधन और निर्माण धूल शमन अभिन्न अंग हैं। शहरों को अपशिष्ट को संसाधित करने के लिए पुनर्चक्रण संयंत्र स्थापित करने का आदेश दिया गया है ताकि पुनर्चक्रित समुच्चय, पेवर ब्लॉक आदि जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जा सकें, जिन्हें निर्माण उद्योग में संसाधन के रूप में वापस लाया जा सकता है।ष रॉयचौधरी ने कहारू ष्सीएंडडी अपशिष्ट का पुनर्चक्रण संसाधनों की पूरी वसूली को सक्षम बनाता है और अपशिष्ट में आर्थिक मूल्य जोड़ता है, आजीविका और रोजगार पैदा करता है। लेकिन शहरों में कमजोर अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और निर्माण एजेंसियों द्वारा पुनर्चक्रित उत्पादों की खराब बाजार मांग के कारण उनका उपयोग और आर्थिक व्यवहार्यता समझौता कर रही है।ष सीएसई अध्ययन भारत में स्थापित किए जा रहे 35 से अधिक नए सीएंडडी अपशिष्ट पुनर्चक्रण संयंत्रों में से, सीएसई ने 16 संयंत्रों के प्रदर्शन की जांच और मूल्यांकन किया है ताकि मौजूदा कमियों और उन्हें स्केलेबल और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक नीतिगत मार्गों को समझा जा सके। क्षेत्रीय जांच ने सीएंडडी पुनर्चक्रण संयंत्र में लागू की जाने वाली बहुआयामी प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों, अपशिष्ट से उत्पादित उत्पाद श्रृंखला, संयंत्रों को अपशिष्ट फीड को बनाए रखने में अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावशीलता, पुनर्चक्रित उत्पादों की बाजार में मांग और इन संयंत्रों की समग्र आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया है। सीएसई के संधारणीय भवन और आवास कार्यक्रम के निदेशक रजनीश सरीन कहते हैंरू ष्हमने पाया है कि भारी निवेश करने के बावजूद, अधिकांश पुनर्चक्रण संयंत्र आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं। ये संयंत्र नगर पालिकाओं के समर्थन पर बहुत अधिक निर्भर हैं। एक व्यवहार्य वित्तीय मॉडल और बाजार एकीकरण के बिना, ऐसी सुविधाओं का विस्तार करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और यह समग्र अपशिष्ट प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र को और कमजोर कर सकता है। सीएंडडी अपशिष्ट न केवल एक पर्यावरणीय खतरा हैय यह शहरों के लिए दक्षता में बाधा है। राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी के एडीजी (प्रशिक्षण एवं अनुसंधान) उज्ज्वल मित्रा ने कहा "पुनर्निर्माण एक नई वास्तविकता है। पुनर्निर्माण से उत्पन्न सीएंडडी अपशिष्ट निर्माण पोर्टफोलियो के 7 प्रतिशत से बढ़कर 15–16 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यदि इसे ठीक से नहीं संभाला गया तो इससे भूमि और ऊर्जा पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।" अगले 20 वर्षों में भारत का निर्माण क्षेत्र दोगुना से अधिक होने का अनुमान है। रेत और बजरी की बहुत अधिक मांग है, जो खनन के पर्यावरणीय पदचिह्नों को बढ़ाती है। इस बढ़ती मांग के कारण पिछले 20 वर्षों में रेत के व्यापार में छह गुना वृद्धि हुई है, और कटाव, जैव विविधता की हानि और जल लवणता जैसे पर्यावरणीय मुद्दे भी सामने आए हैं। परिणामस्वरूप, रेत का आयात बढ़ गया है। सरीन कहते हैंरू "सीएंडडी अपशिष्ट का पुनर्चक्रण कुंवारी सामग्री की मांग को कम करने और प्रतिस्थापन करने में मदद कर सकता है क्योंकि लगभग 80–90 प्रतिशत सीएंडडी अपशिष्ट को भूनिर्माण, भूनिर्माण और सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए पुनरू उपयोग किया जा सकता है। रिसाइकिल किए गए समुच्चयों का उपयोग करने से वर्जिन सामग्रियों के उपयोग की तुलना में 40 प्रतिशत कम कॉप2 उत्सर्जन होता है – ऐसा इसलिए है क्योंकि यह निहित ऊर्जा को कम करने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करता है।" चिंता के क्षेत्र नगरपालिकाओं के पास शहर में अवैध रूप से डंप किए गए कचरे का भुगतान करने के लिए पर्याप्त राजस्व नहीं है – वे अनौपचारिक और गुमनाम कचरा उत्पादकों से लागत वसूल करने में असमर्थ हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च न्यायालय का महत्वपूर्ण फैसला

आदित्य

मदरसे शैक्षणिक संस्थान हैं, जो अक्सर मस्जिद का हिस्सा होते हैं, जो कुरान, हदीस, फिक्ह (इस्लामी न्यायशास्त्र) और अन्य सहित इस्लामी अध्ययन पढ़ाते हैं। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वे चर्चा में हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया है। ऐसा करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया, जिसने पहले इसे रद्द कर दिया था। इस अधिनियम ने एक विधायी ढाँचा प्रदान किया जिसके तहत यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा शिक्षा अधिनियम 2004 ने उच्च शिक्षा तक शिक्षा के विभिन्न स्तरों की स्थापना की। अधिनियम के तहत, बोर्ड पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करता है और निर्धारित करता है, और उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मार्च, 2024 को यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा शिक्षा अधिनियम 2004 को संविधान के विरुद्ध घोषित किया, यह फैसला सुनाया कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है। जब मामला उसके सामने आया, तो लंबी बहस सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस सप्ताह टिप्पणी की कि हाई कोर्ट का यह फैसला गलत था कि मदरसा अधिनियम अनुच्छेद 21ए का उल्लंघन करता है, इस आधार पर कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसे शैक्षणिक संस्थाएं हैं और शिक्षा समवर्ती सूची में आती है जो भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची का हिस्सा है। इस सूची में 52 विषय हैं जिन पर केंद्र और राज्य सरकारें कानून बना सकती हैं। इस प्रकार, कोर्ट ने शिक्षाश शब्द के दायरे को व्यापक बनाते हुए कहा कि इसमें धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थान भी शामिल हैं। सिर्फ इसलिए कि शिक्षा में धार्मिक शिक्षा या निर्देश शामिल हैं, इसका

मतलब यह नहीं है कि मदरसे राज्य की विधायी क्षमता के दायरे से बाहर रह सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण फैसला है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थानों को उनके अल्पसंख्यक चरित्र को नष्ट किए बिना अपेक्षित मानकों की धर्मनिरपेक्ष शिक्षा प्रदान करने के लिए कानून बना सकता है। क्यों? यह सुनिश्चित करना राज्य का सकारात्मक दायित्व है कि मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले छात्र योग्यता का एक स्तर प्राप्त करें ताकि वे समाज में सक्रिय रूप से भाग ले सकें और आजीविका कमा सकें। छात्रों को औपचारिक शिक्षा तक पहुंच होनी चाहिए जिसे राज्य प्रदान करना चाहता है और उन्हें धार्मिक शिक्षा में भाग लेने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यहां यह समझना जरूरी है कि धार्मिक शिक्षा मुख्यधारा की शिक्षा का विकल्प नहीं हो सकती। इस प्रकार, अल्प संख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थानों को संचालित करने का अधिकार पूर्ण नहीं है और राज्य को अल्प संख्यक शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा के मानकों को बनाए रखने में रुचि है और वह सहायता या मान्यता प्रदान करने की शर्त के रूप में विनियमन लागू कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री के बराबर कामिल और फाजिल डिग्री को भी असंवैधानिक घोषित किया क्योंकि वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम का उल्लंघन करते हैं जो देश भर में उच्च शिक्षा के मानकों को नियंत्रित करता है। कोई राज्य कानून उच्च शिक्षा को विनियमित करने की मांग नहीं कर सकता। हालांकि, राज्य सरकार को वर्तमान में इन डिग्री प्राप्त करने वाले 25,000 से अधिक छात्रों की मदद करनी चाहिए और उन्हें किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने संस्थानों की स्थापना के अल्पसंख्यक अधिकार और शिक्षा के मानकों को निर्धारित करने के राज्य के दायित्व के बीच एक अच्छा संतुलन बनाया। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय मौलिक है और राज्य से सहायता प्राप्त करने वाले सभी शैक्षणिक संस्थानों को राज्य के नियमों का पालन करना चाहिए। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने मदरसों को राज्य द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता बंद करने का आग्रह किया क्योंकि वे गरीब मुस्लिम बच्चों को औपचारिक शिक्षा से वंचित कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि गरीब परिवार बच्चों पर धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के बजाय धार्मिक शिक्षा के लिए दबाव डाल रहे हैं। यूपी अधिनियम का उद्देश्य सभी बच्चों के लिए समान शैक्षिक अवसर प्रदान करना है और सर्वोच्च न्यायालय ने इसे सही ठहराया है।

भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर के गौरवशाली व्यक्तित्व एवं उनके संघर्षों की जीवन यात्रा

(प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय, उ० प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त, पर्यावरणविद)

भारत एक महान देश है जहां समय–समय पर अनेकों महापुरूषों का जन्म इस धरती पर हुआ हैं जिनमें डा० अम्बेडकर जी का भी नाम विशेष रूप से लिया जाता है। डा० अम्बेडकर एक महान विभूति होने के साथ–साथ शुद्रो के उद्गारक एवं मानवता के पुजारी थे साथ–साथ संविधान के निर्माता एवं स्वाधीनता संग्राम के उत्प्रेरक थे। उनका महिमा मण्डित इतिहास एवं गौरवशाली व्यक्तित्व से परिचित होते हुये यह

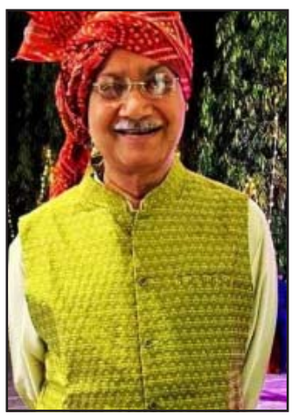

लेख उनके व्यक्तित्व एवं जीवन के बारे में, जनमानस के लिए, प्रस्तुत कर रहा हूं जो समाज आत्मसात कर समझे। इनका जन्म 14.4.1891 को महाराष्ट्र के मेहू नामक स्थान पर हुआ था। इनके समय में भारत अंग्रेजों का गुलाम था तथा भारत की सामाजिक स्थिति बड़ी दयनीय थी। हिन्दू समाज चार वर्षों (ब्रहम्ण, क्षत्री, वैश्य एवं शुद्र) में विभाजित था। शुद्र वर्ण में बाबासाहेब उत्पन्न हुये थे जिनमें उनकी शिक्षा वर्जित थी। वे समाज से घुलमिल भी नहीं सकते थे। ऐसे वातावरण में किसी शुद्र का शिक्षा प्राप्त करना असम्भव सा था। इसी कारण जब बालक भीम ने बी०ए० की परीक्षा उत्तीर्ण की तो स्वजनों ने जलसे कर खुशियां मनायीं। इसके उपरान्त महाराजा बड़ौदा द्वारा बाबासाहेब को छात्रवृत्ति स्वीकृत कर उन्हें एम०ए० करने हेतु अमेरिका भेजा गया। परीक्षोपरान्त उन्होंने शोध प्रबन्ध लिखा था जिस पर कोलम्बिया विश्वविद्यालय ने उन्हें पीएच०डी० की उपाधि प्रदान की। चूंकि आगे पढ़ना चाहते थे, इसलिये अमेरिका से लन्दन अध्ययन के लिये लौट आये और बाद में भारत आ गये। भारत में आने के बाद महाराजा बड़ौदा ने उन्हें अपने कार्यालय में उच्च पद प्रदान किया किन्तु शुद्र होने के कारण वहां के कर्मचारियों ने साथ नहीं दिया। इसके उपरान्त नौकरी छोड़कर अपने अधूरे अध्ययन को पूर्ण करना चाहा, परन्तु धनाभाव के कारण पुनःनौकरी करनी पड़ी। उनकी नियुक्ति सिंडनहम कालेज मुम्बई में प्रोफेसर पद पर हुयी। छात्र उनसे बहुत प्रभावित थे और उन्होंने अध्यापन के समय पैसा इकटठा किया और कुछ लोगों से उधार लेकर सन् 1920 में पुनः लन्दन गए। वहां पर बैरिस्ट्री का अध्ययन करने के पश्चात जर्मनी चले गये, जहां संस्कृत का अध्ययन किया। तत्पश्चात सन् 1923 में भारत लौट आये और बैरिस्टर बन गये। अंग्रेजी शासन काल में उनकी नियुक्ति न्यायधीश पद पर की गयी परन्तु इस पद को यह कह कर ठुकरा दिया कि न्यायधीश ही क्या यदि मुझे भारत का वायसराय भी बनाया जाये, तो भी मैं उसे ठुकरा दूंगा, क्योंकि मैने प्रण किया है कि मैं दलित और शोषित लोगों की सेवा करता रहूंगा जिनमे मैं पैदा हुआ हूं। विद्वान होने केबावजूद भी बाबासाहेब को अपमानित किया गया। महाराजा बड़ौदा के कार्यालय में न तो कार्य करने दिया गया और न ही रहने के लिए मकान दिया गया। चावदार नामक तालाब में सभी हिन्दू, मुसलमान, ईसाई एवं पारसी पीने के लिए पानी भरते थे परन्तु शुद्रों को उस तालाब से पानी नहीं लेने दिया जाता था। अतः बाबासाहेब ने सभी दलितों को एकत्र कर इसके विरूद्ध महाद स्थान पर सभा की और उन्हें सत्याग्रह करने को प्रेरित किया। वे लोग तालाब से पानी पीने चले और पानी तो पी लिया परन्तु घर लौटने लगे तो हिन्दू कटटरपंथियों ने पिटाई कर दी जिसमें बाबासाहेब भी थे। इस घटना से निराश होकर बाबासाहेब ने कहा कि मैं हिन्दू पैदा अवश्य हुआ, जो मेरे वश में नहीं था लेकिन हिन्दू रहकर मरूंगा नहीं क्योंकि यह मेरे हाथ में है। इनका ऐसा कहने का आशय मात्र यह था कि हिन्दू समाज में फैले ऊंच–नीच और छुआ–छूत के भेदभाव को समाप्त करने के लिए हिन्दुओं का ध्यान आकृष्ट करने का था। दिनांक 14.10.1956 को हिन्दू धर्म परित्याग कर दस लाख शुद्रों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया।

डा० अम्बेडकर को श्रद्धा एवं सम्मान से बाबासाहेब कहकर पुकारा जाता था। बाबासाहेब (बाह–ब–सह–हैब) का अर्थ आदरणीय पिता। उन्होंने ही आश्वस्त किया था कि हम सभी भारतीय हैं। बाद में कुछ और अपनी पुस्तक ब्रिटिश भारत के राज्यों में पूंजी का विकासष में स्पष्ट किया था कि भले ही शुद्रों के साथ अन्याय होता है परन्तु इसके बावजूद हम भारत की स्वतन्त्रता की मांग करते हैं। अंग्रेज साम्राज्य समाप्त होना चाहिए। उन्होंने दलितों के अधिकारों की उपेक्षा कर भारत की आबादी को अधिक महत्व दिया जिससे उनकी सच्ची देश भक्ति का परिचय मिलता है। नागपुर में आयोजित (8.8.1930) एक सभा में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया था तथा उन्होंने स्वतन्त्र भारत के विधान में ही हमें किसी राजनीतिक शक्ति प्राप्ति की आशा की थी जो बिना मुक्ति नहीं हो सकती। भारत की स्वतन्त्रता को ही अपना लक्ष्य बनाओं। लन्दन में आयोजित गोलमेज सम्मेलन (1931) में ब्रिटिश सरकार को बदलने के लिए आवाज बुलन्द की थी। ये भारत के प्रथम न्याय मन्त्री पं० नेहरू जी के मंत्रीमण्डल में बने तथा संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष बनाए गये। इनके द्वारा निर्मित संविधान सभा ने 26.9.49 को स्वीकार किया तथा उनकी भूरि–भूरि प्रशंसा भी की गयी। यह संविधान आज भी संचालित है जिसके वजह से सदैव स्मृति में रहेंगे।

अशोक सम्राट के समय विकसित बौद्ध धर्म धीरे–धीरे लुप्त हो रहा था, उसको बाबासाहेब ने पुनः स्थापित करने हेतु सतत् प्रयास किया। इस प्रकार बाबासाहेब ने बौध धर्म कालीन, भारतीय गौरव और गरिमा से भारत को जोड़ने की दिशा में भी अपना महत्तवपूर्ण योगदान दिया। एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, प्रख्यातन्यायविद, बौद्रिक कार्यकर्ता, दार्शनिक मानव विज्ञानी, इतिहासकार, वक्ता, लेखक, अर्थशास्त्री, विद्वान और सम्पादक के रूप में कार्यरत यह महापुरुष 6.12.1956 को यशःकायी हो गये लेकिन आज भी जीवन्त हैं। बाबासाहेब का पूरा जीवन संघर्षों से भरा पड़ा था। जिस व्यक्ति में संघर्ष करने की क्षमता नहीं वह निर्जिव है। संघर्ष ही जीवन है तथा शक्ति का श्रोत है। न्याय के लिए संघर्ष करना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। उनके द्वारा दिये गये अनेकों नारों में से एक नारा यह है कि शिक्षित बनो, संगठित हो और संघर्ष करो आज भी ग्राहय है तथा सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गया है। भारत में उनकी सेवाओं को देखते हुये सम्मान स्वरूप उन्हें मरणोपरान्त सन् 1990 में भारत रत्न से विभूषित किया गया। उनके किये गये कार्यों पर उनके जन्म दिन एवं निर्वाण दिवस पर सभी भारतीय आज भी मन–भाव से याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

सुविधा की पर्यावरणीय लागत

विनोद

विश्वविद्यालय परिसर में सुबह की सैर के दौरान, जहाँ मैं एक स्कॉलर–इन–रेजिडेंस हूँ, मैंने शुरू में हर जगह कचरे के ढेर देखे। यह दुनिया का सबसे पुराना जीवित शहर है, जिसका प्रतिनिधित्व हमारे समय के सबसे बड़े नेता करते हैं इसलिए ढेर निराशाजनक थे। मीडिया ने हमें यह समझाने के लिए बहुत मेहनत की कि शहर साफ हो गया है, जिससे मेरी निराशा और बढ़ गई। हालांकि, अगले कुछ दिनों में, मैंने देखा कि सफाई कर्मचारी सड़क किनारे जमा कचरे से अपने ट्रक भर रहे थे। ट्रक कुछ ही समय में भर जाते थे, जिससे सड़कों पर बचा हुआ कचरा रह जाता था। लगातार निरीक्षण करने से मुझे एहसास हुआ कि उठाए जाने वाले और संसाधित किए जाने वाले कचरे की मात्रा की एक सीमा होती है। एक सुबह, मैं यह देखने के लिए एकत्रित किए जा रहे कचरे के पास खड़ा था कि इसमें क्या योगदान दे रहा है। भारत भर में मेरी यात्राओं ने मुझे बताया कि पानी की बोतलें और चिप्स के पैकेट सबसे बड़े योगदानकर्ता हैं। इसलिए, मैंने उन्हें ढूँढ़ा। वे बहुत कम प्रतिशत में मौजूद थे। सबसे बड़े दोषी डिस्पोजेबल कटलरी थे, खासकर डिलीवरी पैकेजिंग के साथ भोजन पहुँचाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक ट्रे। इनमें से ढेर–शायद छात्रावासों और आयोजित कार्यक्रमों से–हर दिन जुड़ते जा रहे हैं। सबसे निराशाजनक बात यह थी कि ये प्लास्टिक ट्रे 60–70 प्रतिशत भरी हुई थीं।

हाँ, ऑर्डर किया गया भोजन मानक मात्रा में, मानक प्लेट में, बिना सोचे–समझे पकाया और पैक किया हुआ होता है। मानक मूल्य निर्धारण के युग में उपभोक्ता की भूख की कोई भूमिका नहीं है। ऐसे देश में जहाँ हमारे शास्त्र हमें अन्न या भोजन को ब्रह्म या परम देवता बताते हैं, वहाँ कूड़े के ढेर में इतना पका हुआ भोजन देखना दुखद है। बचपन में हमें भोजन और हमारी प्लेटों में भोजन डालने वाले हर व्यक्ति का सम्मान करना सिखाया गया थाय लेकिन लगता है कि हम खाने के शौकीनों और डिलीवरी ऐप के युद्ध के मैदान में यह सब खो चुके हैं। फिर हर सड़क किनारे चाय की दुकान, खाने की दुकान और यहाँ तक कि घर पर होने वाली सभाओं में डिस्पोजेबल गिलास होते हैं। इन पतले प्लास्टिक के गिलासों की सुविधा और कम कीमत के कारण ये सर्वव्यापी हैं। खाद्य विक्रेता अब केवल डिस्पोजेबल बर्तनों का उपयोग करते हैं। जब भी मैं रिफिल मांगता हूँ, तो वे नया दे देते हैं। दोबारा इस्तेमाल करने के लिए कहने पर वे हंसते हैं और कहते हैं, "नया इस्तेमाल करो– यह मेरी कीमत पर है, तुम्हारी कीमत पर नहीं।" मैंने अपने दोस्तों और पड़ोसियों को समझाने की कोशिश की है। जवाब है "हां, मैं समझता हूं, लेकिन यह बहुत सुविधाजनक है।" यह गलत धारणा कि प्लास्टिक के कप और तथाकथित रिसाइकिल करने योग्य प्लेटों में प्लास्टिक नहीं होता, अपनी भूमिका निभाता है। मैं कुछ ग्रीन इन्फ्लुएंसरों को जागरूकता पैदा करने की कोशिश करते हुए देखता हूं, लेकिन इन्हें बनाने वाला लघु उद्योग इन सभी अभियानों से बहुत आगे है। उनकी पहुंच बहुत बड़ी है और निश्चित रूप से, उनकी मांग भी बहुत अधिक है।

पूरे ग्रामीण क्षेत्र में, यह खतरा गुटखा और खैनी के पाउच के रूप में सामने आता है। हमारी सुविधा की पर्यावरणीय और स्वच्छता लागत बढ़ती जा रही है। मेरी राय में, अपशिष्ट प्रबंधन या पुनर्चक्रण ही एकमात्र समाधान नहीं है जिसकी हमें आवश्यकता है। हमें अपने द्वारा उत्पन्न होने वाले कचरे को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की आवश्यकता है। हां, कचरे को अलग–अलग करने से कुछ हद तक मदद मिल सकती हैय लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इसे शायद ही लागू किया जा रहा है क्योंकि एक व्यक्ति द्वारा समूह में कचरा मिलाना भी इन प्रयासों को पटरी से उतार सकता है।

ऑनलाइन घोटाले बढ़ रहे हैं... सावधान रहें, नहीं तो आप पैसे खो सकते

ललित

प्लेन के पेड़ की पत्तियाँ अब ध्रती पर कालीन की तरह बिछ गई हैं लंदन में शरद ऋतु में फुटपाथ हरे–भरे हैं ताड़ के आकार के मलबे से, पीले और सूखे सर्दियों के आने तक, जन्म की घोषणा करते हुए वसंत में नए पत्तों के साथ, अब मुझे आश्चर्य होता है कि मैंने कभी भी खिलते हुए प्लेन के पेड़ों पर टिप्पणी क्यों नहीं की, लेकिन अब उनके पत्तों के गिरने पर उनकी उदारता पर टिप्पणी करता हूँ, जैसे ही राहगीरों के पैर उन्हें एक तरफ धकेलते हैं – इतने सारे – परिषदें इस शरद ऋतु के गर्व को कचरे के रूप में इकट्ठा करने का कैसे अनुमान लगाएँगी?" बच्चू द्वारा बेलपुरी की घंटियाँ से मुझे लगातार ईमेल और व्हाट्सएप पर पोस्ट के माध्यम से घोटालों के खिलाफ चेतावनी दी जाती है। कल ही मुझे मैलवेयर से बचाने के लिए मैलवेयर की पेशकश की गई थी। हमेशा झूठ बोलने वाले की तरह मैं जो कुछ भी कहता हूँ वह सब झूठ है? और नहीं, प्रिय पाठक, मैंने नाइजीरियाई लॉटरी को अपना बैंक विवरण नहीं भेजा, जो मेरे लिए एक अनाम प्रशंसक द्वारा खरीदे गए टिकट पर मेरी जीत जमा करना चाहती थी। लेकिन अफसोस, मैं ठोकर खा गया, भोलापन में गिर गया। एक बार नहीं, बल्कि दो बार। चम्प के चुनाव ने मुझे यह स्वीकारोक्ति स्थगित करने पर मजबूर कर दिया, लेकिन अब यह हैरू कुछ सप्ताह पहले, मेरे स्टीम–आयरन का प्लास्टिक हैंडल टूट गया। मैंने सहज रूप से सुपरग्लू आजमाया। कोई भाग्य नहीं! जैसा कि मेरे अधिकांश मित्र करते हैं, और मैं भी सहज रूप से अनुसरण करता हूँ, मैं ऑनलाइन से सामान्य प्रश्नों के उत्तर ढूँढता हूँ। मैंने एक बार उससे पूछा कि मैं जो भाखरा (पारसी मीठे बिस्कुट) पकाता हूँ, वे पूरियों की तरह क्यों नहीं फूलते, जबकि मेरी दादी और माँ द्वारा पकाए गए भाखरा बहुत बढ़िया फूलते थे। मुझे एक उचित उत्तर मिला, वह भी! इसलिए, मैंने ळववहसम से पूछा कि क्या कुछ प्लास्टिक सुपरग्लू के प्रतिरोधी हैं और उसनेध्उसनेध्उसनेध्उन्होंने (आजकल बहुत सावधान रहना पड़ता है!) ष्व्हॉष् कहा और मुझे रासायनिक विवरण दिया, जिसके बारे में मैं आपको बोर नहीं करना चाहता। मैंने आगे बढ़कर ळववहसम को फिर से परेशान किया, दैवज्ञ से पूछा कि क्या कोई ऐसा गोंद है जो अड़ियल प्लास्टिक को चिपका सके और उत्तर बाढ़ की तरह आया। कई ट्यूबों का सुझाव दिया जो काम कर सकते थे। मैंने दूसरा सबसे सस्ता चुना क्योंकि मुझे कीमतों की एक बड़ी रेंज की पेशकश की गई थी। इस सामान के विक्रेता का नाम ओजर्टी है, और विज्ञापित मूल्य ख4.49 था। मैंने विश्वासपूर्वक अपने विवरण भरे – ईमेल, डेबिट कार्ड विवरण, पता, आदि। जब विकल्प दिया गया तो मैंने ष्प्रुफ्त डिलीवरीष् चुना और बिक्री को पूरा करने के लिए बटन दबाया। इसमें कहा गया था कि इसे कुछ दिनों में वितरित किया जाएगा। बढ़िया। एक या दो दिन बाद मुझे अपने टेलीफोन बैंकिंग खाते के विवरण को देखने का अवसर मिला और ओजर्टी गोंद के विरुद्ध शुल्क ख18.44 था। क्या??? मैंने ओजर्टी को यह पूछने के लिए ईमेल किया कि मुझसे अतिरिक्त 14 या इतने पाउंड क्यों लिए गए थे। एक महिला ऑपरेटिव ने जवाब दिया कि मुझ पर इको–चार्ज लगाया गया था क्योंकि मेरा ऑर्डर ख20 से कम का था और ओजर्टी छोटे ऑर्डर की डिलीवरी के लिए पर्यावरण की रक्षा के लिए यह अतिरिक्त इको–चार्ज ले रही है। मुझे उसी ईमेल में सूचित किया गया था कि मुझे यह बताने के लिए एक नोटिस था कि एक इको–चार्ज जोड़ा जाएगा। मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि यह एक गैर–वर्णनात्मक तरीके से दिखाई दिया, जिस पर कोई भी खरीदार ध्यान नहीं देगा। इसमें यह नहीं बताया गया था कि शुल्क क्या होगा और ग्राहक की सहमति भी नहीं मांगी गई थी। मैंने अपने पैसे वापस मांगे हैं। एक ईमेल उत्तर में कहा गया कि जब तक मैं उत्पाद प्राप्त करके उसे वापस नहीं कर देता, तब तक वे मुझे पैसे नहीं भेज सकते। यह यहीं समाप्त नहीं होता। मैंने पहला ऑर्डर देने के दस दिन बाद अपने फोन बैंकिंग खाते को देखा। मैंने उस पहले ख4.44 ग्लू के बाद कुछ भी ऑर्डर नहीं किया था। अब खाते में दिखाया गया है कि ट्मतजल ने मेरे डेबिट कार्ड का उपयोग करके मुझसे

बिल्कुल भी कुछ नहीं के लिए ख29.99 का शुल्क लिया है। मैंने कुछ भी ऑर्डर नहीं किया या ट्मतजल से उनके किसी भी उत्पाद के बारे में बात नहीं की। क्या यह सरासर धोखाधड़ी थी? मैंने ईमेल के माध्यम से शिकायत दर्ज की और अपने पैसे वापस मांगे और कहा कि मैं अपने बैंक को अनधिकृत शुल्क के बारे में सूचित करूँगा। ट्मतजल ने उत्तर दिया कि उन्होंने मुझे ष्सदस्यष् के रूप में साइन अप किया है और अन्य उत्पाद खरीदने पर मुझे मिलने वाले लाभ और छूट को सूचीबद्ध किया है। मुझे उनके उत्पाद या उनकी छूट या उनकी सदस्यता नहीं चाहिए, जिसके लिए मैंने कभी नहीं कहा! शायद वे पर्यावरण–शुल्क के बारे में अच्छी तरह से सोचते हैं और अतिरिक्त ख14 का उपयोग जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद करने के लिए चीन को रिश्वत देने के लिए करेंगे? और शायद वे मुझे सदस्यता समाप्त करवाकर मेरे पैसे वापस कर देंगे? और इसलिए, प्रिय पाठक, मेरी दूसरी, पहले की मूर्खता के लिए। यह एक अलग तरह की कहानी है। बहुत संक्षेप में, शायद दो साल पहले कुछ सुनने की हानि का अनुभव करते हुए मेरे कंप्यूटर पर एक विज्ञापन आया जिसमें कहा गया था कि यह निश्चित रूप से सुनने की हानि से निपट सकता है और मुझे यह देखने के लिए एक वीडियो दिखाया गया कि कैसे। मैं उसके झांसे में आ गया। वीडियो में एक योग्य डॉक्टर कह रहा था कि वह बहरा हो रहा है और हमें बताया कि वह इससे कैसे पीड़ित है और इसके कारण उसका इलाज खोजने का दृढ़ संकल्प हुआ।

पुलिस और पशु तस्करो में मुठभेड़, एक घायल गिरफ्तार, एक फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । मुंगराबादशाहपुर पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के दौरान गैंगेस्टर, गौ–तस्कर व शातिर अपराधी नीरज गौड़ को गिरफ्तार किया है।जबकि अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया है।थानाध्यक्ष संतोष पाठक अपने हमराहियों के साथ पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि एक नीला पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश जो पशु तस्कर हैं । जो लमहन (महराजगंज) गांव में जानवर खरीदने के लिए गयें थें। जो मुंगराबादशाहपुर होते हुए इधर आ रहे हैं और मड़ियाहूं होते हुए जलालपुर जाएंगे। उनके पास असलहा भी है। इस सूचना पर पुलिस टीम वही खड़े होकर आने जाने वाले वाहनों पर नजर रखने लगे कि कुछ देर में एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखायी दी। मोटरसाइकिल करीब आने पर पुलिस बल ने सड़क पर सामने आकर रोकने का प्रयास किया तो उक्त बदमाश

मोटरसाइकिल की स्पीड बढ़ाकर भागने लगें। पीछा करने के दौरान पीछे बैठे बदमाश ने पुलिस वालो के ऊपर लक्ष्य करके फायर कर दिया। बदमाशो को बार बार पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया फिर भी उपरोक्त बदमाश नही माने और जान से मारने की नियत से पुलिस वालो की तरफ फायर कर दिया। जवाबी कार्यवाही में थानाध्यक्ष ने आत्मरक्षार्थ फायर किया तो एक गोली बदमाश को लगी दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। घायल बदमाश को देखा गया तो उसके दाहिने पैर मे गोली लगी थी और खून बह रहा था। पकड़े हुए बदमाश का नाम पूछा गया तो नीरज गौड़ (30) पुत्र लालजी गौड़ निवासी ग्राम कोर्री थाना जलालपुर बताया। अपराधी ने अपना जुर्म स्वीकार किया।जिसके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई है। मौके का फायदा उठाकर भागे हुए गौ तस्कर संदीप पटेल पुत्र जयप्रकाश पटेल निवासी ग्राम सुगुलपुर थाना मड़ियाहूं की तलाश की जा रही हैं। गौतस्कर नीरज थाना जलालपुर, खेतासराय, नेवढ़िया में पशु तस्करी, एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट जैसी घटनाओं में सलिप्त रहा है।

धर्म परिवर्तन के मामले में 4 महिलाओं सहित 8 लोग गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली थाना अंतर्गत नगर पंचायत स्थित सदर गंज पश्चिमी मोहल्ले में रविवार देर शाम विनोद शिल्पकार के मकान में धर्म परिवर्तन का मामला प्रकाश में आया है।इसमें पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर छापा मार कर धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मडियाहूं संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बजरंग दल के प्रखंड संयोजक ने पुलिस से शिकायत किया कि नगर के सदर गंज पश्चिमी मोहल्ले में विनोद शिल्पकार के मकान में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है । सूचना पर थानाध्यक्ष अनिल कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर धर्म परिवर्तन करा रहे चुनार थाना क्षेत्र के नुआंव (छिलेहिया) निवासी संदीप सिंह पुत्र वकील सिंह सहित 08 लोगों को गिरफ्तार कर मौके से ईसाई धर्म की पुस्तक ,दवाइयां, क्रॉस चिन्ह बरामद किया है। बताया जा रहा है कि धर्म परिवर्तन कर रहे लोग गरीब बस्तियों में लोगों की बीमारी ठीक करने व चमत्कार का झांसा देकर ईसाई धर्म परिवर्तन करा रहे थे। पुलिस चार महिलाओं सहित 08 लोगों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुटी है। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओ ने बताया कि पिछले कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि ईसाई मिशनरियों द्वारा गरीब दलित परिवारों को बहला फुसलाकर उन्हें लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इस अवसर पर बजरंग दल के टीपू सेठ सिद्धार्थ मौर्य मनीष मिश्रा रोहन चौरसिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

स्टडी हॉल कॉलेज ने अभिभावकों के लिए ओपन हाउस का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। छात्रों के अभिभावकों के साथ विशेष संबंध विकसित करने के उद्देश्य से, स्टडी हॉल कॉलेज ने शनिवार (16 नवंबर 2024) को एक ओपन हाउस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के नेतृत्व के साथ बातचीत की और इसके विशेष कार्यक्रमों और अवसरो के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की। स्टडी हॉल कॉलेज के निदेशक डॉ. हिमांशु सिंह ने अभिभावकों का स्वागत किया, जिन्होंने कॉलेज की पहलों और खासियतों का विस्तृत विवरण दिया। डॉ. हिमांशु सिंह ने एक अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए कॉलेज के समर्पण पर भी प्रकाश डाला, जिसमें सामुदायिक कॉलेज पहल कार्यक्रम, मजबूत प्लेसमेंट अवसर, शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र जीवन को बेहतर बनाने वाले जीवंत पाठ्येतर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशनके प्रतिनिधि डॉ. समर्थ शुक्ला ने फाउंडेशन के लक्ष्यों और दर्शन का सारांश दिया। उन्होंने फाउंडेशन के लक्ष्य पर जोर दिया, जो छात्रों को सशक्त बनाने और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले समावेशी शिक्षण वातावरण स्थापित करना है। संस्थान किस तरह से अकादमिक, पेशेवर और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है, इसके बारे में अधिक जानने के लिए, अभिभावकों को संकाय और प्रशासनिक टीम से बात करने का मौका मिला। इसके अतिरिक्त, ओपन हाउस में इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल थे, जिसने अभिभावकों को अपने विचार और राय व्यक्त करने के लिए एक मंच देकर संस्थान और उसके हितधारकों के बीच संबंधों को मजबूत किया। यह कार्यक्रम कॉलेज की अनूठी शैक्षणिक संस्कृति को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर था, जिसे अभिभावकों से प्रशंसा और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। कॉलेज के छात्रों ने बाल श्रम के ज्वलंत मुद्दे पर एक शक्तिशाली और विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) किया। कार्यक्रम की सफलता संकाय सदस्यों और कॉलेज की सांस्कृतिक समिति समष्टि के सामूहिक प्रयास का परिणाम थी।

आधें अधूरें कागजात व अनफिट वाहनों पर बिना रोक टोक के परिवहन विभाग करेगा कार्यवाही – डा. आर पी सिंह

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अब उन दो पहिया व चार वाहन चालकों के लिए बुरी खबर है जो वाहन चालक अधूरे दस्तावेजों के साथ वाहन चला रहे है।इसके साथ ही अनफिट वाहनों पर भी परिवहन विभाग द्वारा बिना रोक टोक के सीधें वाहनों के चलते समय शिकंजा कसा जा रहा है। यह जानकारी देते हुए एआरटीओ प्रशासन डॉ आरपी सिंह ने बताया कि अधिकतर यह देखने में मिल रहा है कि इस तरह के वाहन चालक जो आधे अधूरे दस्तावेजों के साथ–साथ अनफिट वाहनों को चलाते हैं और दूर से ही जब वे चालक सामने परिवहन विभाग के कर्मियों द्वारा वाहन चेकिंग करते हुए देखते हैं तो वें या तो वहां से अपने वाहन मोड़ लेते हैं या फिर तेजी से भागते हैं।जिसके चलते वे तो खुद दुर्घटना का शिकार होते ही है साथ ही साथ सामने वाले वाहन चालकों तथा अन्य राहगीरों को भी अपने चपेट में आते हैं।उन्होंने बताया कि इस समय परिवहन विभाग द्वारा तीव्रता से चल रही वाहनों का भी चालान आसानी से किया जा रहा है। क्योंकि सड़क पर चलने वाले अनफिट व आधे अधूरे दस्तावेज के साथ चल रहे उन वाहन चालकों को यह नहीं पता रहता कि उनके पीछे चल रहे वाहनों में परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी बैठे हुए हैं।जो परिवहन विभाग द्वारा बनाए गए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से सामने वाले वाहन की पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं।अगर वाहन संबंधी कोई भी कमी मिलती है तो परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तुरंत चालान व अन्य कार्यवाही करते हैं। एआरटीओ प्रशासन डॉक्टर सिंह ने बताया कि इससे परिवहन विभाग द्वारा अधिक से अधिक आधे अधूरे कागजात के साथ चल रहे वाहन चालकों पर भारी संख्या में शिकंजा कसेगा। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील किया है कि अब ठंड व कोहरा का मौसम आने वाला है।इसलिए सभी भारी व हल्के वाहन चालक अपने अपने वाहनों के चारों ओर रिफ्लेक्टर का प्रयोग करें।जिससे कि सामने से आ रहे वाहन चालकों को समय रहते यह पता लग जाए कि सामने वाहन है, और और किसी भी हादसे से बचा जा सके।

छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को सर्वाइकल कैंसर एवं विधिक के बारे में जागरूक किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सन्त एस0 राम इण्टर कालेज, डा0 सन्तराम नगर, जानकीपुरम् विस्तार लखनऊ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वावधान में विधिक साक्षरता एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मीनाक्षी सोनकर अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (।क्श्र), डा0 नीरज सी0एच0सी0, मंजू शुक्ला अधिवक्ता, वसुंधरा सिंह नायब तहसीलदार बी0के0टी0 लखनऊ, संदीप कुमार जिला प्रोवेशन महिला कल्याण कार्यालय एवं अनुज मिश्रा लेखपाल बी0के0टी लखनऊ उपस्थिति रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या मिथलेश कनौजिया, उपप्रधानाचार्य अमित बाजपेई, हेमलता वर्मा, पूजा शर्मा एवं छात्राएं अंशिका वर्मा, प्रियंका सिंह भदौरिया, सविता राजपूत ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को सर्वाइकल कैंसर एवं विधिक के बारे में जागरूक किया गया।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के पहल पर गाय को मिला जीवनदान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र के कृष्णा नगर कॉलोनी फेज टू में चार दिनों से मरणासन्न अवस्था में एक गाय पड़ी हुई थी।वहां के अभिषेक सहित स्थानीय लोगों ने एक बार नहीं बल्कि कई बार इस गाय के इलाज के लिये कई सहायता केंद्रों पर सूचना दिया था।लेकिन उसे गाय के इलाज के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।रविवार को सुबह जब इसकी भनक मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डाक्टर एसएम प्रसाद को लगी तो उन्होंने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए उक्त गाय के इलाज के लिए एक टीम भेजा।जिसका नतीजा यह रहा कि चार दिन से मरणासन्न अवस्था में पड़ी उस गाय का इलाज होते ही वह स्वस्थ हो गई और विचरण करने लगी। जिस पर स्थानीय लोगों ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डाक्टर एसएम प्रसाद के द्वारा उठाए गए इस सराहनीय कदम की भूरि भूरि प्रशंसा किया।

संदिग्ध हालात में युवक ने किया आत्महत्या पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम के लिए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मुरादगंज टीचर्स कॉलोनी में व्यक्ति की लाश संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटकती हुई। मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार जफराबाद थाना क्षेत्र के मोहद्दीनपुर गांव निवासी सुजीत कुमार यादव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र ईश्वर देव यादव कुछ दिन पूर्व से टीचर कॉलोनी में स्थित राजेंद्र चौहान के मकान में किराए पर रहा करता था। सोमवार को बजे कुछ लोगों ने उसकी लाश खिड़की के सहारे लटकी हुई देखा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक की फंदे पर लटकता हुआ शव देखा गया।उसका दोनों पैर जमीन पर था । इससे लोग अनुमान लगा रहे हैं कि उसकी हत्या करके शव फंदे पर लटका दिया गया है ताकि लोग इसे आसानी से आत्महत्या समझ लें। इस घटना को लेकर जितना मुंह उतनी बातें कही जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची लाइन बाजार थाने की पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

कैंसर पीड़ित बच्चों को मिलेगा एक महीने का पौष्टिक आहार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। द हेजलनट फैक्ट्री (टीएचएफ) ने दिल्ली, कानपुर और लखनऊ में श्कॉफी फॉर अ कॉजश अभियान सफलतापूर्वक शुरू किया। इस अभियान का लक्ष्य किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ में कैंसर से जूझते बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना है। इस विशेष अवसर पर, टीएचएफ के सभी आउटलेट्स से कॉफी की बिक्री की संपूर्ण राशि सीधे इस नेक कार्य में दान की गई। यह धनराशि ईश्वर फाउंडेशन को दान की गई। ईश्वर फाउंडेशन इन बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन व्यवस्था करने में मदद करेगा, जिससे वे इलाज के दौरान जरूरी पोषण प्राप्त कर सकेंगे। द हेजलनट फैक्ट्री के संस्थापक और सीईओ, श्री अंकित साहनी ने कहा, " इस अविश्वसनीय समर्थन के लिए हम टीएचएफ के सभी ग्राहकों का दिल से धन्यवाद देते हैं। हमारे यहाँ से उन्होंने एक भी कप कॉफी ली है तो उन्होंने एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो कैंसर से लड़ते बच्चों को जरूरी पोषण प्रदान कर रहा है। द हेजलनट फैक्ट्री उन सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस अभियान में भाग लिया, जिससे जरूरतमंद बच्चों के लिए यह सफल और संभव हो पाया।

देश को स्थापित करने में सरदार पटेल की अहम भूमिका – राम लाल पटेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र के नोकरा मनापुर गांव में सरदार पटेल जयन्ती एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाद्यइस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रुप में सरदार सेना के प्रदेश प्रभारी ऐडवोकेट राम लाल पटेल रहेद्य कार्यक्रम का शुभारंभ से पूर्व मुख्य अतिथि सहित तमाम लोगों ने गौतम बुद्ध,सरदार पटेल व डॉक्टर अम्बेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए शुरु किया गयाद्य कार्यक्रम के दौरान आये हुए सभी अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया द्यकार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ऐडवोकेट राम लाल पटेल ने कहाँ कि सरदार पटेल के द्वारा जो देश हीत में कार्य किया गया है उसको हम सभी लोग कभी भुला नहीं सकते देश को स्थापित करने में सरदार पटेल की सबसे अहम भूमिका रही हैद्यअपने उद्बोधन में उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों से अपील करते हुए बच्चों से कहा कि आप लोग भी ऐसे महापुरुषों को पढ़े और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने

का कार्य करें ताकि आने वाले समय में आपके साथ आपके परिवार वह समाज का विकास हो सके। आज महापुरुषों के विचार धारा पर काम करने की आवश्यकता है ताकि देश का विकास हो सके प्रतियोगिता में अब्बल स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सर्टिफिकेट एवं विशेष पुरस्कार वितरित किया गयाद्यइस दौरान विशिष्ट अतिथि के रुप में सरदार सेना जिला इकाई जौनपुर के जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल रहे जिलाध्यक्ष में अपने उद्बोधन में सरदार पटेल के द्वारा देश हित में किये गयेद्य कार्यों के बारे में लोगों को बताते हुए कहा कि आप सभी लोग सरदार पटेल की विचार धारा पर काम करें ताकि आने वाले समय में हमारे प्रदेश व देश का विकास हो सके। कार्यक्रम का संचालन वृजेन्द्र पटेल व अध्यक्षता प्यारे लाल वर्मा ने किया।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 की 76वें आरआर बैच के प्रशिक्षु आई0पी0एस0 अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक उ०प्र० से पुलिस मुख्यालय में भारतीय पुलिस सेवा के 76 वें आरआर बैच के 20 प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा शिष्टाचार भेंट की गयी एवं मुलाकात के दौरान मोमेन्टो भेंट किये गये। शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा पुलिस मुख्यालय स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं शाखाओं का भ्रमण कर कार्यों के बारे में जानकारी ली गयी। प्रशिक्षु आई०पी०एस० अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेन्टर भ्रमण के दौरान सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर 24ग्7 मॉनीटरिंग किये जाने तथा सोशल मीडिया सेन्टर की कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया। पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा मुलाकात के दौरान अपने उद्बोधन में उ०प्र० पुलिस के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताते हुये वर्तमान परिवेश में जनता की सुरक्षा एवं अपराधों की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा हेतु उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियानों यथा कम्युनिटी पुलिसिंग, ऑपरेशन कन्विक्शन, ऑपरेशन त्रिनेत्र आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस महानिदेशक द्वारा अपने उद्बोधन में यह भी कहा गया कि पुलिस सेवा जनता के विभिन्न वर्गों की सेवा हेतु

एक महत्वपूर्ण माध्यम है। आपको जनता के लिए आसानी से सुलभ होना चाहिए। आपको स्वच्छ इरादे के साथ काम करना चाहिए। विशेषतौर पर महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम एवं उन पर त्वरित कार्यवाही कराते हुये मा० न्यायालय में प्रभावी पैरवी कराकर दोषियों को सजा दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा पुलिस की सेवा में नैतिकता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेन्स की नीति रखना ही सफलता का मूल मन्त्र है। पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों के जिज्ञासा भरे प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक फायर सर्विस, पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण, अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, अपर पुलिस महानिदेशक साइबर काइम, अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण, अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिले के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओं को दिये सुरक्षा के प्रति टिप्स

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रविवार को सभी थाना क्षेत्रों मे महिला पुलिस टीम ने मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत महिलाओं वह बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए उनको पोस्टर पंपलेट के माध्यम से सुरक्षात्मक उपाय बताएं।इस मौके पर महिला पुलिस टीम द्वारा महिलाओंध्बालिकाओं को पुलिस की पाठशाला लगाकर नारी सुरक्षा, नारी स्वाबलंबन एवं नारी सम्मान हेतु विशेष अभियान चलाकर प्रतिदिन जागरूक किया।महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा अभियान व मिशन शक्ति के तहत पुलिस टीम द्वारा महिलाओं को जागरूक किया जा रहा। कोई भी घटना होने पर हेल्पलाइन नंबर पर पुलिस को तत्काल सूचना देकर सहायता पाते हुए आरोपियों पर कार्यवाही कराने को जागरुक महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकार से जुड़े कानून के साथ ही हेल्पलाइन के नंबरों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।इस मौके पर बालिका, छात्रा एवं महिलाओं

के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम हेतु नगर के साथ ही गांवों से लेकर गली, मोहल्ले, शिक्षण संस्थानों में चौपाल लगाकर बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु चलाये जा रहे मिशन नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत सुरक्षा जागरूकता के संबंध में जानकारी दी विभिन्न हेल्पलाइन नंबर, महिला हेल्प डेस्क, एंटी रोमियों स्क्वायड, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे "मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत आत्मरक्षा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन –मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन –102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साइबर सुरक्षा हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अमित श्रीवास्तव बने राष्ट्रीय व्यापारी सेना के राष्ट्रीय प्रवक्ता

(डॉक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। राष्ट्रीय व्यापारी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक दूबे की अध्यक्षता में एक बैठक राधे राधे गार्डन मैरिज लॉन नाका देवकाली बाईपास पर आयोजित की गई। जिसमे अध्यक्ष ने संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों को देश के सभी प्रदेशों में एवम प्रदेश के सभी जिलों में संगठन का विस्तार करने का निर्देश दिया।राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए अमित श्रीवास्तव को संगठन का राष्ट्रीय प्रवक्ता एव उमेश मिश्रा को उत्तर प्रदेश के महासचिव पद पर नियुक्त किया गया। जनपद अयोध्या में युवा जिलाध्यक्ष

पद पर कुलदीप सिंह तथा युवा महानगर अध्यक्ष शादाब खान को बनाया गया। मनोज कनौजिया, तनिष्क श्रीवास्तव, गौरव कनौजिया, गरुड़ निषाद, कीर्ति, एवं कैलाश को सदस्य पद पर नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ता विजेश श्रीवास्तव, संगठन के कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र चौरसिया,प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अजीत प्रताप यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये।कार्यक्रम का संचालन बृजेन्द्र दूबे ने तथा संयोजन जिलाध्यक्ष अयोध्या प्रशांत जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संरक्षक ए एन पाण्डेय,नौमीलाल गुप्ता, राजेश वास्वानी,नीरज पाठक, सरदार जसवीर सिंह विशाल मालवीय, सरदार सर्वजीत सिंह, पवन गौतम,अमित यादव, के सी श्रीवास्तव, अंकुर श्रीवास्तव, परमजीत कौर, जनक किशोरी, कीर्ति निषाद, केतकी निषाद, परमिंदर कौर सहित अनुसार लोग मौजूद रहे।

भारत देश में वीर जवानों की कमी नही है – माधवेन्द्र प्रताप सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

सोमवार को रेजांगला शौर्य दिवस पर स्थानीय कंपनी गार्डन में पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा कवि एवं वीरगति प्राप्त सैनिकों श्रद्वांजलि व उनके परिवारीजनों सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि कारगिल योद्वा नायक दीपचन्द्र की उपस्थित में किया गया। इस अवसर पर विधायक सवायजपुर ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत देश में वीर जवानों की कमी नही है और अभी तक जितने युद्व हुए उनमें भारत की सेना ने अपना गौरव दिखाकर अपने प्राणों की आहूति देते हुए भारत की जीत सुनिश्चित की है। समारोह में विशिष्ट अतिथि विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह, रानू व अमित आजाद, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद, पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार

जादौन, जिला सैनिक कल्याण कर्नल ओपी मिश्रा एवं सामाजसेवी सुहाना जैन आदि ने जनपद के वीरगति प्राप्त सैनिकों के चित्र पर पुष्पाजंलि आर्पित की तथा पूर्व आयोजित कवि सम्मेलन में प्रतिभाग करने वाले कवियो तथा वीरगति प्राप्त सैनिकों के परिवारजनों को माला पहनाकर, शाल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष शराफत अली, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति आदि उपस्थित रहे।

धर्म प्रमाण पत्र के लिए तहसील में भटकते रहे युवा भर्ती बोर्ड की तरफ से रिलिजियस सर्टिफिकेट (धर्म प्रमाण पत्र) अनिवार्य किया गया है

सुल्तानपुर। धर्म प्रमाण पत्र के लिए सैकड़ोंकी संख्या में युवा दिन भर तहसील के चक्कर काटते रहे वही तहसील स्तर के अधिकारी भी अजीब पसोपेश में है कि धर्म प्रमाण पत्र जारी करें तो कैसे? सेना ने युवा बेरोजगारों के भर्ती निकाली है जो 20,21 नवम्बर को सागर,पिथौरागढ़ दानापुर में टेरिटोरियल आर्मी जोनमें भर्ती होनी है। जिसमें भर्ती बोर्ड की तरफ से रिलिजियस सर्टिफिकेट (धर्म प्रमाण पत्र) अनिवार्य किया गया है। धर्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सुबह से सैकडों युवा तहसील में डटे है। इस संबंध में तहसीलदार अरविंद तैयारी ने बताया कि त्रुटिबस पूर्व में कुछ प्रणाम पत्र जारी हो गए थे जिसके निरस्त्रीकरण की नोटिस नोटिसबोर्ड पर चस्पा कर दी गई। नोटिसबोर्ड पर नोटिस देख कर कि युवा आंदोलित होकर नारेबाजी करने लगे तो तहसीलदार ने उन्हें समझाया कि धर्म प्रमाण पत्र जारी करने का हमको कोई ऊपर से आदेश नही हुआ है। आगे तहसीलदार ने बताया कि हमको सिर्फ आय,जाति, निवास प्रमाण पत्र जारी करने की पावर है। धर्म प्रमाण पत्र के बाबत उपजिलाधिकारी बल्दीराय आईएएस गामिनी सिंगला ने बताया कि जो प्रणाम पत्र पूर्व में भूलबस जारी कर दिए गए है उसको निरस्त करने की सूची चस्पा कर दी गई है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ला ने कहा कि धर्म प्रमाण पत्र का मामला मेरी जानकारी में नही है। आप संबंधित एस डी एम से जानकारी करे।

अब टीटीई पर नजर रखने के लिए रेलवे कर रहा है काम, बिना टिकट यात्रियों को सीट बेच रहे थे टीटीई

लखनऊ, संवाददाता। शताब्दी एक्सप्रेस में 21 बेटिकट यात्री मिलने के बाद रेलवे बोर्ड ने सख्त रवैया अख्तियार किया है। वीआईपी ट्रेन लखनऊ मेल, पुष्पक, एसी एक्सप्रेस, तेजस आदि में चेकिंग के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही अफसरों को ट्रेनों के निरीक्षण के दौरान टीटीई पर नजर रखने के लिए कहा गया है। दिल्ली से लखनऊ जंक्शन आने वाली शताब्दी एक्सप्रेस की चेयरकार बोगी में 29 अक्तूबर को 21 बेटिकट यात्री मिलने की जांच उत्तर मध्य रेलवे करवा रहा है। खास बात यह है कि शताब्दी जैसी वीआईपी ट्रेनों में भी खाली सीटें बेचने से टीटीई बाज नहीं आ रहे हैं। रेलवे बोर्ड के एक अफसर ने बताया कि उत्तर, उत्तर मध्य व पूर्वोत्तर रेलवे सहित सभी जोनों को निर्देश दिए गए हैं कि वीआईपी ट्रेनों का निरीक्षण करें। टिकट चेकिंग अभियान चलवाया जाए। यात्रियों से पूछताछ हो और फीडबैक भी लिया जाए। टीटीई बेटिकट, वेटिंग या जनरल टिकट वाले यात्रियों को रुपये लेकर सीटें तो नहीं दे रहे हैं। कोच अटेंडेंट व अन्य स्टाफ के व्यवहार की भी जांच हो।

दिल्ली से आ रही शताब्दी में मिले 21 बेटिकट यात्री

दिल्ली से लखनऊ जंक्शन आ रही शताब्दी एक्सप्रेस में 21 बेटिकट यात्री मिलने के मामले की जांच शुरू कर दी है है। साथ ही रेलवे बोर्ड ने यह हिदायत दी है कि वीआईपी ट्रेनों में अभियान चलाकर ऐसे मामलों पर नजर रखी जाए। मामला बीते 29 अक्तूबर का है। दीपावली पर लखनऊ आने वालों की भीड़ अधिक होने से ट्रेनों में लंबी वेटिंग थी। रेलवे अफसरों के अनुसार दिल्ली से लखनऊ आ रही शताब्दी एक्सप्रेस (12004) की 21 सीटों पर एक्सेस फेयर टिकट (ईएफटी) काटे बिना यात्रियों को सफर करवाया गया। आरोप है कि 21 यात्रियों से दो से तीन हजार रुपये तक प्रति सीट वसूले गए। यह भी बताया जा रहा है कि ट्रेन के चेयरकार कोच सी–11, सी–12 और सी–13 की जांच की गई थी। जांच टीम को सी–11 कोच में 21 यात्री बिना टिकट यात्रा करते मिले थे। ट्रेन के इटावा में रुकने पर बेटिकट यात्री उतरकर भागने लगे थे। मामले में शनिवार से जांच शुरू हुई है। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि बेटिकट यात्री मिले थे। जांच शुरू की गई है।

संक्षिप्त खबरें

परिजनों से कहासुनी के बाद ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

लखनऊ, संवाददाता। पारा के भूहर ओवर ब्रिज के नीचे शनिवार देर रात मंडी समिति में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी कृष्ण गोपाल शर्मा (44) ने ट्रेन के सामने कूद कर जान दे दी। शनिवार को शराब के नशे में घर पहुंचने पर परिजनों से उनकी कहासुनी हुई थी। मूलरूप से हरदोई के संडीला सिंदुरिया बाग निवासी कृष्ण गोपाल पारा के भपटामऊ हर्ष नगर में परिवार संग रहते थे। शनिवार देर शाम वह ड्यूटी से शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचे। इस बात को लेकर पत्नी और बच्चों से कहासुनी हो गई। इसके बाद वह घर से चले गए। देर रात परिजनों को उनकी मौत की खबर मिली। उनकी बेटी अंजली ने बताया कि शराब पीने की वजह से पिता के फेफड़ों में पानी भर गया था और इलाज भी चल रहा था। वह शराब नहीं छोड़ रहे थे। शनिवार को जब वह नशे में घर पहुंचे तो परिजनों ने इलाज न कराने की बात कह दी। इससे आहत होकर जान दे दी। परिवार में पत्नी वंदना शर्मा व बेटी आस्था है।

अस्पताल के बाहर महिला से जेवर ले उड़े टप्पेबाज

लखनऊ, संवाददाता। ठाकुरगंज इलाके में रविवार दोपहर दो टप्पेबाज अस्पताल के बाहर महिला से जेवरात ले उड़े। आरोपियों ने महिला को कागज के टुकड़ों की बनी गड्डी थमा दी। मड़ियांव निवासी रामा ने ठाकुरगंज स्थित प्राइवेट अस्पताल में पथरी का ऑपरेशन कराया था। पेट में दर्द की शिकायत लेकर रविवार दोपहर तीन बजे वह अस्पताल पहुंची थीं। गेट के पास उनको दो युवक मिले। दोनों ने उनसे चारबाग का रास्ता पूछा। इसके बाद बातों में उलझाकर कान के झाले और मंगलसूत्र उतरवा लिए। कपड़े की पोटली में लपेटकर कागज के टुकड़ों की बनी नोट के आकार की गड्डी थमा दी। गड्डी के ऊपर व नीचे 100–100 के दो नोट थे। टप्पेबाजों के जाने के बाद जब उन्होंने पोटली खोली तो कागज के टुकड़े मिले।

सीसीटीवी कैमरे में दिखे टप्पेबाज

इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा चेक करने पर दो युवक रामा से बातचीत करते और कुछ देते हुए दिखे। इसके बाद रामा अस्पताल के अंदर चली गई और दोनों युवक भी चले गए। फुटेज में दिख रहे दोनों युवकों की तलाश की जा रही है।

मायके आई नवविवाहिता ने लगा लिया फंदा

लखनऊ, संवाददाता। नगराम में अपने मायके आई नवविवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। आत्महत्या की वजह नहीं पता चल सकी है। नगराम के अकरहदू गांव निवासी किसान राम सुमिरन रावत की छोटी बेटी शिवानी (22) का विवाह बीते जून महीने में बजगहिया गांव निवासी बजरंग पासी के बेटे लड़के शिवम के साथ हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा को शिवानी मायके स्थित झंडेश्वर में मेला देखने आई थी। शनिवार रात परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। शिवानी भी बरामदे में बने कमरे में लेट गई। देर रात किसी वक्त उसने फंदा लगाकर जान दे दी। रविवार सुबह परिजन उठे तो शिवानी का शव फंदे से लटका मिला। थानाध्यक्ष विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि अभी तक आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है।

दोस्तों संग मिलकर घर से चुराए 11 लाख के जेवर

लखनऊ, संवाददाता। हीवेट रोड निवासी नंदिनी बोरकर ने अपने बेटे समेत चार के खिलाफ अमीनाबाद थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घर से 11 लाख के जेवर चुराने का आरोप लगाया है। 18 अक्तूबर को नंदिनी पति आशुतोष संग जालौन गई थीं। घर पर बेटा अंकुर था, जो ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी में काम करता था। उसने दोस्त ओसामा व राज के साथ मिलकर कैंपबेल रोड से चाबी बनाने वाले को बुलाया। अलमारी व लॉकर खुलवाकर जेवर चुरा लिए। दस नवंबर को जब वह घर पहुंचीं तो घटना की जानकारी हुई। सख्ती से पूछताछ पर बेटे ने चोरी कबूल ली। गहने लौटाने की बात पर ओसामा ने सिविल कोर्ट बुलाया। वहां ओसामा और अधिवक्ता अंकित ने अंकुर व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इंस्पेक्टर सुनील कुमार आजाद के मुताबिक तफ्तीश की जा रही है।

सड़क निर्माण में इस्तेमाल की घटिया सामग्री, दोबारा बनानी होगी

लखनऊ, संवाददाता। नगराम के घोड़सारा गांव में सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया। पीडब्ल्यूडी ने जेसीबी से सड़क को उखड़वा दिया। अधिशाषी अभियंता अनूप मिश्रा ने बताया कि ठेकेदार को नए सिरे से सड़क बनाने के लिए कहा गया है। ठेकेदार को एक वर्ष तक डिबार करने की कार्रवाई की जाएगी। नगराम गंगागंज मार्ग से खवास खेड़ा के पास से शिवपुरा हयात नगर कल्याण खेड़ा होते हुए घोड़सारा गांव तक डामरीकृत सड़क का निर्माण करीब 15 साल पहले पीडब्ल्यूडी की ओर से कराया गया था। सड़क खराब होने पर ग्रामीणों की मांग इसे विभाग ने बनवाया। ग्रामीणों ने घटिया सामग्री इस्तेमाल करने की शिकायत की। अवर अभियंता व अधीक्षण अभियंता ने सड़क का सैंपल लेकर टेस्टिंग के लिए भेजा, जिसमें घटिया सामग्री का प्रयोग पाया गया।

कोहरे में कैंसिल होने जा रही हैं ये ट्रेनें

लखनऊ, संवाददाता। कोहरे में ट्रेनों को प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी कैंसिल किया जाएगा। उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे की 89 ट्रेनें इस बार निरस्त व प्रभावित होंगी। यह निरस्तीकरण दिसंबर से शुरू होगा। इससे सवा लाख यात्रियों के लिए सफर का संकट खड़ा हो जाएगा। रेलवे अफसर कैंसिल होने वाली ट्रेनों की सूची बना रहे हैं, जिस पर मुख्यालय मुहर लगाएगा। कोहरे में ट्रेनों का संचालन गड़बड़ा जाता है। ट्रैक पर दृश्यता कम होने के कारण ट्रेनों की गति सुस्त हो जाती है, जिससे ट्रेनें देरी की शिकार भी होती हैं। साथ ही यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में रेलवे प्रशासन दिसंबर से मार्च तक तीन महीने के लिए प्रतिवर्ष तमाम ट्रेनों को कोहरे में कैंसिल कर देता है। उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से इस बार कोहरे में कैंसिल होने वाली ट्रेनों की सूची मुकम्मल की गई है। इसमें कॉमर्शियल व ऑपरेटिंग के साथ इंजीनियरिंग विभाग के अफसरों ने माथापच्ची की है। सूत्र बताते हैं कि इस वर्ष कैंसिल होने वाली ट्रेनों की संख्या 89 के आसपास होगी, जोकि पिछले साल की तुलना में कम हैं। हालांकि, इन ट्रेनों के निरस्त होने से सवा लाख यात्रियों के लिए यात्रा का संकट खड़ा होगा।

इन रूटों की ट्रेनें होंगी कैंसिल

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि लंबी दूरी की ट्रेनों को निरस्त किया जाएगा।

इसमें लखनऊ के रास्ते दिल्ली, पंजाब, जम्मू, उत्तराखण्ड आदि जगहों पर जाने वाली ट्रेनों को कैंसिल किया जाएगा। चूंकि कोहरा उत्तर भारत में पड़ता है, इसलिए उत्तर भारत की ट्रेनों का संचालन सर्वाधिक बाधित होता है।

दो लेन की सडक पर एक लेन तक फैला झाड़ी, जिम्मेदार मौन

विशेष संवाददाता
जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज। क्षेत्र के कुंदहाँ से सुजानगंज होते हुए मछलीशहर को जाने वाली दो लेन की सडक पर कुछ दूर तक करीब एक लेन तक झाड़ियों का कब्जा है जिससे लोगो आने जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. और यह झाड़िया मुख्य रूप से बबूल की है जिससे बाइक सवार को और साइकिल सवार को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. बरसात के मौसम मे आये दिन सडक के बगल पेड़ पौधे भी गिरे रहते है जिससे यह समस्या और बढ़ जाती है. इसी बरसात मे मतरी पाल चौराहे के पास एक बबुल का पेड़ गिर गया था जिसे कई दिनों तक हटाया नहीं गया जब स्थानीय लोगो के द्वारा इसकी सूचना वन विभाग को दिया गया तो उन्होंने इसे हटवाया, अचकारी निवासी मनोज द्विवेदी ब्यास का कहना है की किसी भी काम से जब मछलीशहर जाना होता है तो बहुत डर लगता है क्युकी बेलवार, से लेकर सुजानगंज तक सडक के आधा करीब तक बबूल व अन्य पौधों की झाड़िया फैली हुई है और कई जगह मोड़ भी है जिससे दुर्घटना होने की सम्भवना बनी रहती

है अभी हाल ही में इसी के कारण एक पिता पुत्र बाइक पर से मछलीशहर जा रहे थे जिसमें चार पहिया वाहन से भिड़ंत होने के कारण पिता की मौत हो गई पुत्र को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है दिन ऐसी तमाम घटनाएं होती रहती हैं जिसका जिम्मेदार पी डब्लू डी विभाग होगा. वहीं पर गौहानी निवासी समाजसेवी पंकज दुबे ने बताया की यह एक बड़ी समस्या है बरसात के मौसम से यह झाड़िया और घनी और खतरनक हो जाती है जिससे कोई भी वाहन पलटने और दुर्घटना ग्रस्त होने का खतरा बना रहता है. जब कभी इस पर कोई पेड़ गिर जाता है तो कई घंटो तक जाम भी लग जाता है. इस सडक को 2020 मे स्टेट हाईवे बनाया गया था जो प्रतापगढ़ आजमगढ़ और माड़ियाहू तथा जंघई को जोड़ता है लेकिन वर्त्तमान मे सुजानगंज से मछलीशहर और सुजानगंज से बेलवार, कुन्दहाँ तक की झाड़ियों का सडक तक आना खतरे को बढ़ावा दे रहा है।

यदि पेड़ कोई गिरता है तो उसको हटवाना हमारी जिम्मेदारी है बाकि झाड़ियों को कटवाना और साफ करवाने की जिम्मेदारी पी डब्लू डी विभाग का कार्य है, यदि हमें कही पर पेड़ की वजह से कोई दिक्कत की सूचना मिलती है तो उस पर कार्यवाही की जाती है. इस संबंध में जब पी डब्ल्यू डी के जेई अमित सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर रोड पर आई झाड़ियों को साफ कर दिया जाएगा।

जीआरपी ने पकड़ी 1.94 करोड़ की प्रतिबंधित ड्रग्स

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में चारबाग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने 1.94 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित ड्रग ऑक्सीटोसिन पकड़ी है। लखनऊ जंक्शन स्टेशन के पार्सल घर से यह बरामद की गई है। ड्रग बिहार से छपरा–लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस से लाई गई थी।

मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। चारबाग जीआरपी प्रभारी मुकेश सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सतर्क के तहत यह कार्रवाई की गई है।

बीते 14 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि 15053 छपरा–लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस से प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन ड्रग अवैध रूप से लखनऊ लाई जा रही है। यह दवा 43 पैकेटों के खेप में है। इसमें पांच पैकेट पार्टी द्वारा ले लिए गए हैं तथा शेष लखनऊ पहुंच रहे हैं।

38 पैकेट बरामद किए गए

इस पर सतर्कता दिखाते हुए उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह यादव की टीम ने दोपहर दो बजे पार्सलघर की जांच–पड़ताल की।

इसमें 38 पैकेट बरामद किए गए, जिनका कोई रिसीवर नहीं था। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के वाणिज्य अधीक्षक संजीव चौधरी से पार्सल पैकेट का पूरा विवरण निकलवाया गया, जिसमें पैकेटों को भेजने व किसको भेजा गया है, इसका विवरण मिला।

जीआरपी ने प्रतिबंधित दवा को कब्जे में लिया

टीम पैकेटों को रिसीव करने वालों का इंतजार करती रही। पर, उन्हें कोई रिसीव करने नहीं पहुंचा। इसके बाद जीआरपी ने प्रतिबंधित दवा को कब्जे में लिया। आगे बताया कि कुल 10.87 लाख एमएल संदिग्ध ऑक्सीटोसिन बरामद की गई है। इसकी कीमत 1,93,73,904 रुपये बताई जा रही है। पार्सल के प्रेषक के रुप में बिहार छपरा के रहने वाले संतोष सिंह का नाम दर्ज था तथा यह सीतापुर निवासी राम लौटन को भेजी गई है।

रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

ऐसे में पैकेटों पर छपे नामों के साथ ही इस तस्करी में और भी कई लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए जीआरपी ने रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ दो नामजद के साथ अन्य के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा – हर हाल में पत्नी–बच्चों का भरण–पोषण करना पति का पवित्र कर्तव्य

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पारिवारिक मामले में एक अहम फैसला दिया। इसमें कोर्ट ने कहा कि पत्नी व बच्चों का हर हाल में भरण–पोषण करना पति का पवित्र कर्तव्य है। वैवाहिक कार्यवाहियों में अक्सर पतियों की तुलना में पत्नियां व बच्चे अधिक आर्थिक संकट झेलते हैं। क्योंकि उन्हें परिवार या आय से सीमित मदद मिलती है। उनकी इस हालत में पतियों की ओर से लगातार परेशानी बढ़ाई जाती है। इससे उन्हें ऐसे कार्यवाहियों का सामना करने में मुश्किलें आती हैं। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की खंडपीठ ने इस टिप्पणी के साथ पत्नी को तलाक के मामले में अदालती कार्यवाहियों का खर्च देने के आदेश के खिलाफ दाखिल सैन्य अफसर पति की अपील खारिज कर दी। इसमें लखनऊ की पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी।

पारिवारिक अदालत ने पत्नी की अर्जी पर सुनवाई की

पति की ओर से दाखिल तलाक के दावे के दौरान पारिवारिक अदालत ने पत्नी की अर्जी पर सुनवाई की थी। इस दौरान सैन्य अफसर को आदेश दिया था कि अदालती कार्यवाही के लिए 50,000 समेत खर्चे के 10,000 रुपये एकमुश्त अदा करें। प्रत्येक सुनवाई पर 500 रुपये भी पत्नी को देने का आदेश दिया था। बीते सितंबर में दिए गए इस आदेश के खिलाफ सैन्य अफसर ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। उनके वकील का कहना था कि यह आदेश देते समय पारिवारिक अदालत ने इस तथ्य पर गौर नहीं किया कि पत्नी, पति से अलग रह रही है।

पति सेना में कर्नल हैं और पर्याप्त वेतन पा रहे

हाईकोर्ट ने कहा कि पारिवारिक अदालत ने सिर्फ तलाक के दावे के खर्चों के लिए यह आदेश दिया है। शादी होते ही पत्नी के भरण पोषण का दायित्व पति का होता है। बच्चों के पैदा होने पर उनके भरण पोषण का दायित्व भी कानूनी तौर पर लागू हो जाता है। मामले में पति सेना में कर्नल हैं और पर्याप्त वेतन पा रहे हैं।

अस्पतालों में आग से बचाव के इंतजाम वेंटिलेटर पर

लखनऊ, संवाददाता। 2023 की तारीख थी 18 दिसंबर। पीजीआई के ऑपरेशन थिएटर कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। दो मरीजों की मौत हो गई। इससे पीछे जाएं तो 8 अप्रैल 2020 को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भी आग लगी थी। पिछले दो साल में लोहिया संस्थान, केजीएमयू, पीजीआई में आग लगने की छोटी–छोटी कम से कम 10 घटनाएं हो चुकी हैं। पर...? आज भी 29 सरकारी अस्पताल में आग से बचाव के इंतजाम वेंटिलेटर पर हैं। बिना अग्निशमन के अनापत्ति प्रमाणपत्र के ये अस्पताल चल रहे हैं। साफ है कि घटनाओं के बाद भी जिम्मेदार नहीं चेते। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज झांसी में आग लगने से 10 नवजातों की मौत हो गई। इस घटना ने सबको झकझोर दिया। अस्पतालों में आग से बचाव के इंतजाम और मानकों का पालन सवालों के घेरे में है। राजधानी की बात करें तो यहां 29 सरकारी अस्पतालों के पास ही फायर एनओसी नहीं है। इस कतार में बड़े अस्पतालों में शुमार सिविल अस्पताल, डफरिन, झलकारीबाई, बीआरडी, रानीलक्ष्मीबाई, रामगसागर मिश्रा, जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर, ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय शामिल हैं। यही नहीं इन अस्पतालों में स्मोक अलार्म तक बंद पड़े हैं। वार्डों में अग्निशामक यंत्र नहीं लगे हैं। यही नहीं इन अस्पतालों के बाहर जाम जैसे हालात रहते हैं। जो किसी भी हादसे की भयावहता को बढ़ा सकते हैं।

सीएमओ के अधीन 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, किसी के पास फायर एनओसी नहीं

सीएमओ के अधीन 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इनमें अलीगंज, रेडक्रॉस, इंदिरानगर, आलमबाग चंदरनगर, गोसाईंगंज, गुडंबा, बेहटा, हजरतगंज एनके रोड, सिल्वर जुबली, मोहनलालगंज, इटौंजा, बीकेटी, चिनहट, ऐशबाग, टुड़ियागंज, माल, मलिहाबाद, काकोरी, नगराम व अन्य सीएचसी शामिल हैं। इनमें से किसी के पास फायर एनओसी नहीं है।

निजी–सरकारी मिलाकर 650 अस्पतालों में लापरवाही

सरकारी के साथ ही अगर निजी अस्पतालों को जोड़ दिया जाए तो बगैर अनापत्ति प्रमाणपत्र के चल रहे अस्पतालों की संख्या 650 तक पहुंच जाती है। स्वास्थ्य विभाग छोटे निजी अस्पतालों से शपथ पत्र लेकर उनका पंजीकरण कर लेता है। निजी केंद्रों में अग्निशामक यंत्र दिखाकर खानापूर्ति की जाती है। अहम बात यह है निजी अस्पतालों में प्रवेश–निकास का गेट भी एक है। इसके बाद भी उनके संचालन पर विभाग मुहर लगा रहा है।

शपथ पत्र दिया...सिस्टम ने मान लिया...और हो जाता है अस्पताल का पंजीकरण

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है 50 बेड से अधिक अस्पतालों के लिए फायर एनओसी जरूरी है। इससे कम बेड वाले अस्पतालों के लिए एनओसी की जरूरत नहीं है। इसका फायदा निजी अस्पताल उठाते हैं। मानक पूरे करने के नाम पर आग बुझाने में काम आने वाले सिलिंडर टांगकर खानापूर्ति कर लेते हैं। ज्यादातर निजी अस्पतालों में स्मोक अलार्म सिस्टम नहीं है। ये निजी अस्पताल शपथ पत्र देकर पंजीकरण करा लेते हैं। शपथ पत्र में हवाला देते हैं कि अगर अस्पताल में आग लगने से जन हानि हुई तो इसके लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे।

26 महिलाओं ने डबलडेकर सिटी बस से किया लखनऊ दर्शन

लखनऊ, संवाददाता। डबलडेकर सिटी बस से शनिवार को 26 महिलाओं ने लखनऊ दर्शन किया। महिलाओं ने बस में सेल्फी लेकर यादगार पलों की स्मृतियों को संजोया। सभी को निशुल्क यात्रा कराई गई। प्रत्येक शनिवार महिलाओं को फ्री में यात्रा कराई जाएगी। इस घोषणा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते नौ नवंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में की थी। सिटी ट्रांसपोर्ट के प्रबंध निदेशक आरके त्रिपाठी ने बताया कि अध्यक्ष सिटी ट्रांसपोर्ट व मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में सुबह 1090 चौराहे से इलेक्ट्रिक डबलडेकर बस को चलाया गया। बस में कुल 26 महिलाएं रहीं, जिनसे टिकट नहीं लिया गया। पुरुषों को टिकट खरीदना पड़ा। बस 1090 चौराहे से समतामूलक चौराहे, ताज होटल, यूपी दर्शन पार्क, अंबेडकर पार्क होते हुए 1090 चौराहे पहुंची। यहां से चलकर फन मॉल, लोहिया अस्पताल, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, इकाना स्टेडियम, ट्रांसपोर्टनगर से 1090 चौराहे तक चलाई गई।

शाम ए अवध से कराए रूबरू

मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि नगरीय परिवहन निदेशालय एवं पर्यटन विभाग के आपसी समन्वय से नगर भ्रमण के लिए सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक प्रमुख नगरीय स्थलों का भ्रमण कराया जाए। साथ ही शाम पांच से रात नौ बजे तक शाम ए अवध भ्रमण कार्यक्रम का प्रस्ताव तैयार कर पेश करे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।